



वीर भारत न्यास

स्वराज संस्थान संचालनालय को बौद्धिक गतिविधियों के केन्द्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा भारतीय इतिहास, संस्कृति और वैभवपूर्ण विरासत को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से वीर भारत परिसर की स्थापना की गई है।

युग-युगीन भारत के महानतम वीरों, संतों, मनीषियों चिन्तकों एवं सत्पुरुषों के कालजयी चरित्रों, वाणियों और प्रेरणाओं का पुनर्उद्घाटन, रेखांकन एवं वाणियों का ध्वन्यांकन, भारत की तेजस्विता एवं पराक्रम के विभिन्न आयामों का व्यापक रूप से प्रस्तुतिकरण, भारत के गौरवशाली और पराक्रमी अतीत से जनसामान्य का परिचय, राष्ट्रीय सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक धरोहर का संरक्षण, संवर्धन एवं अनुरक्षण की दिशा में वित्तीय, तकनीकी, वैज्ञानिक, व्यावसायिक, अकादमिक तथा बौद्धिक सहायता प्रदान करना, देश एवं प्रदेश की पारम्परिक कला, हस्तशिल्प, संगीत, शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य, सांस्कृतिक मूल्य एवं दक्षता की प्रामाणिक पहचान करना, सृजनशीलता तथा नवाचार से जुड़ी गतिविधियों के प्रोत्साहन एवं विचारों के आदान-प्रदान के लिए कार्यशाला, सेमिनार, शोध, संगोष्ठी, व्याख्यान इत्यादि का आयोजन इसके उद्देश्यों में शामिल रहेंगे।